नायक्स टयुटोरिअल्स

Year: 2024-25
कक्षा :- १० वी

नमुना प्रश्नपत्रिका - २
हिंदी - ५०

समय : २ घंटे
मुल्यांक :- ४०

विभाग ः १ गदय विभाग

प्र.१)अ) निम्नलिखित पठित गदयांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियॉं कीजिए ः -

राजेंद्र बाबू की मुखाकृति ही नहीं, उनके शरीर के संपूर्ण गठन में एक सामान्य भारतीय जन की आकृति और गठन की छाया थी, अतः उन्हें देखने वाले को कोई न कोई आकृति या व्यक्ति स्मरण हो आता था और वह अनुभव करने लगता था कि इस प्रकार के व्यक्ति को पहले भी कहीं देखा है । आकृति तथा वेशभूषा के समान ही वे अपने स्वभाव और रहन-सहन में सामान्य भारतीय या भारतीय कृषक का ही प्रतिनिधित्व करते थे । प्रतिभा और बुद्धि की विशिष्टता के साथ-साथ उन्हें जो गंभीर संवेदना प्राप्त हुई थी, वही उनकी सामान्यता को गरिमा प्रदान करती थी । व्यापकता ही सामान्यता की शपथ है परंतु व्यापकता, संवेदना की गहराई में स्थिति बनाए रखती है ।

उनकी वेशभूषा की अस्त-व्यस्तता के साथ उनके निजी सचिव और सहचर भाई चक्रधर जी का स्मरण अनायास हो आता है । जब मोजों में से पाँचों उँगलियाँ बाहर निकलने लगतीं, जब जूते के तले पैर के तलवों के गवाक्ष बनने लगते, जब धोती, कुरते, कोट आदि का खद्दर अपने मूल ताने-बाने में बदलने लगता, तब चक्रधर इस पुरातन सज्जा को अपने लिए सहेज लेते । उन्होंने वर्षों तक इसी प्रकार राजेंद्र बाबू के पुराने परिधान से अपने आपको प्रसाधित कर कृतार्थता का अनुभव किया था । मैंने ऐसे गुरु-शिष्य या स्वामी-सेवक अब तक नहीं देखे ।

(१) संजाल पूर्ण किजिए ः

१.

[ ]	← राजेंद्र बाबू में सामान्य भारतीय जन संबंधी विशेषताएँ →	[ ]
[ ]		[ ]

(२) निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग तथा प्रत्ययुक्त शब्द बना कर लिखिए ः २

. . . . ← सफल → . . . .

. . . . ← गंध → . . . .

(३) 'किसानों के पहनावों का नेताओं पर प्रभाव' विषय पर अपने विचार लिखिए | २

प्र.१)आ) निम्नलिखित पठित गदयांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियॉं कीजिए ः -

आदमी : महाराज की जय हो, महाराज आज-कल हवा में खुशबू नहीं होती । यह हर समय हमारे यहाँ बदबू फैलाती है । इसकी बदबू के कारण रहना मुश्किल हो गया है ।

हवा : महाराज, यह आरोप झूठा है । बदबू के कारण तो मेरा जीना कठिन हो गया है । अपने-आपमें मेरे पास न तो खुशबू है न बदबू । पहले ऐसा नहीं होता था । आज-कल ये लोग मरे हुए पशु-पक्षियों को यहाँ-वहाँ डाल देते हैं । उनके कारण मैं बदबूवाली हो जाती हूँ । इनके कारखानों से निकली गंदगी और गैसें मुझमें घुल जाती हैं और यह बदबू दूर तक फैलती रहती है । मुझे याद है कि एक बार भोपाल के एक कारखाने से निकली जहरीली गैस मुझपर सवार होकर दूर-दूर तक फैल गई थी और कितने ही लोग रात में सोए हुए ही मौत के मुँह में चले गए थे । इन लोगों से कहिए कि ये गंदगी के ढेर न लगाएँ, सफाई रखें । कचरे से कंपोस्ट खाद बनाएँ ।

आदमी : लेकिन तुम अचानक चलकर हमारी आँखों में मिट्टी डाल देती हो, सब कुछ तबाह कर देती हो, क्या इसका हमने तुम्हें न्योता दिया था ?

हवा : मैं किसी के निमंत्रण का इंतजार नहीं करती । चलना मेरा काम है । आप कहते हो तो लो, मैंने चलना बंद किया । **(हवा का**

(१) आकृति पूर्ण किजिए ः

१. २

[ ]	हवा ने राजा से यह शिकायत की	[ ]
[ ]		[ ]

(२) १) कृदंत बनाइए ः १

१) फैलना – . . . . २) लगना – . . . .

२) गद्यांश में प्रयुक्त शब्द -युग्म लिखिए | १

१) . . . . २) . . . .

(३) 'कारखानों से निकालने वाली जहरीली गैसें वायु प्रदूषण का कारण है' विषय पर अपने विचार २५ से ३० शब्दों में लिखिए | २

विभाग ः २ पद्य विभाग

प्र.२)अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः –

कस्तूरी कुंडल बसै, मृग ढूँढ़ै बन माहिं।
ऐसे घट में पीव है, दुनिया जानै नाहिं।।

जिन ढूँढ़ा तिन पाइयाँ, गहिरे पानी पैठ।
जो बौरा डूबन डरा, रहा किनारे बैठ।।

जो तोको काँटा बुवै, ताहि बोउ तू फूल।
तोहि फूल को फूल है, बाको है तिरसूल।।

(१) कृती पूर्ण कीजिए ः २

१) लिखिए
→ फूल बोने का परिणाम ....
→ काँटे बोने का परणिाम ....

२) लिखिए
→ किनारे पर यह बैठा रहता है ....
→ वन में कस्तूरी यह ढूँढ़ता है ....

(३) पदयांश की पहली दो पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए | २

प्र.२)आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः –

सोहत है चँदवा सिर मोर को, तैसिय सुंदर पाग कसी है ।
वैसिय गोरज भाल बिराजत, जैसी हिये बनमाल लसी है ।।
'रसखान' बिलोकत बौरी भई, दृग मूँदि कै ग्वालि पुकार हँसी है ।
खोलि री घूँघट, खोलौं कहा, वह मूरति नैननि माँझ बसी है ।।

सेस, गनेस, महेस, दिनेस, सुरेसहु जाहि निरंतर गावैं ।
जाहि अनादि, अनंत, अखंड, अछेद, अभेद, सुबेद बतावैं ।।
नारद से सुक व्यास रटें, पचिहारे तऊ पुनि पार न पावैं ।।
ताहि अहीर की छोहरियाँ, छछिया भरि छाछ पै नाच नचावैं ।।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए ः 1

श्री कृष्ण की शोभा बढ़ाने वाले घटक

(२) निम्नलिखित शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखिए ः १

१) जिसका कोई खंड नहीं होता – . . . .

२) जिसका अंत नहीं है – . . . .

(३) 'सुसंस्कारों से मनुष्य का व्यक्तित्व संपन्न बनता है' इस पर अपने विचार लिखिए ः २

विभाग ३ – भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्र.३) सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः–

(१) सही शब्द छाँटकर लिखिए ः १

१. सितावकाश /शीतावकाश/सीतावकास /शितावकाश |

२. चहचाती /चहचहाती /चैहचहाती /चहचहाथी |

(२) निम्नलिखित अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए ः १

और |

(३) कालभेद पहचानिए तथा परिर्वन किजिए ः १

. . . . . . काल पहचानो	बदबू के कारण जीना मुश्किल हो रहा है		(पूर्ण भूतकाल (परिवर्तन) . . . .

(४) १.मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ः १

अंक में भरना |

२. अधोरेखांकित शब्द समूह के लिए उचित मुहावरे का च्यन करके वाक्य फिरसे लिखिए | १

(मन मै बैठना , चक्कर काटना)

दादाजी रोज सुबह अपने खेतों के फेरे लगाते है |

(५) कृति पूर्ण कीजिए ः 1

संधि शब्द	संधि विच्छेद	भेद
तपोबल	. . . .	. . . . . .
. . . . . .	अति + उक्ति	. . . . . .

(६) वाक्यों के प्रकार पहचानिए ः १

१. जब राष्ट्रपती भवन में उनके कमरे से संलग्न रसोई घर बन गया तब वे दिल्ली गई | (रचना के अनुसार)

२. आओ यहाँ बैठ जाओ । (अर्थ के अनुसार) 1

विभाग ४ उपयोजित लेखन

प्र.४अ)(१) निम्नलिखित जानकरी के आधार पर पत्र तैयार कीजिए ः ४

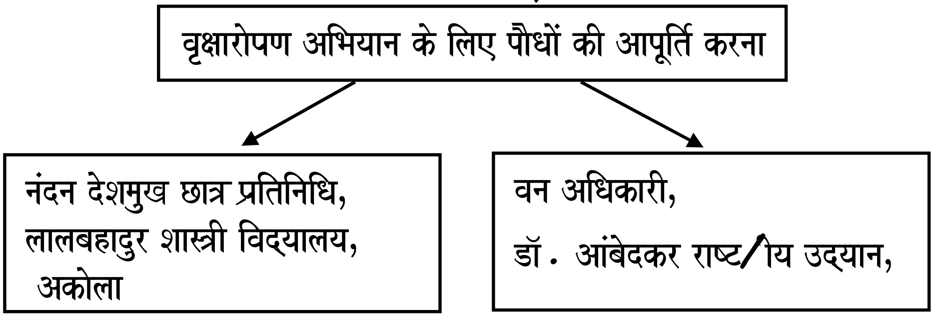

२) अपने मित्र। सहेली को वक्तृत्व प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त होने के उपलक्ष्य में मनाली।मनोज तिवारी , १०२ साईनगर,नागपुर से अभिनंदन करते हुए पत्र लिखती। लिखता है।

प्र.४.आ) निम्नलिखित जानकरी के आधार लगभग ५० से ६०शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए ः ४

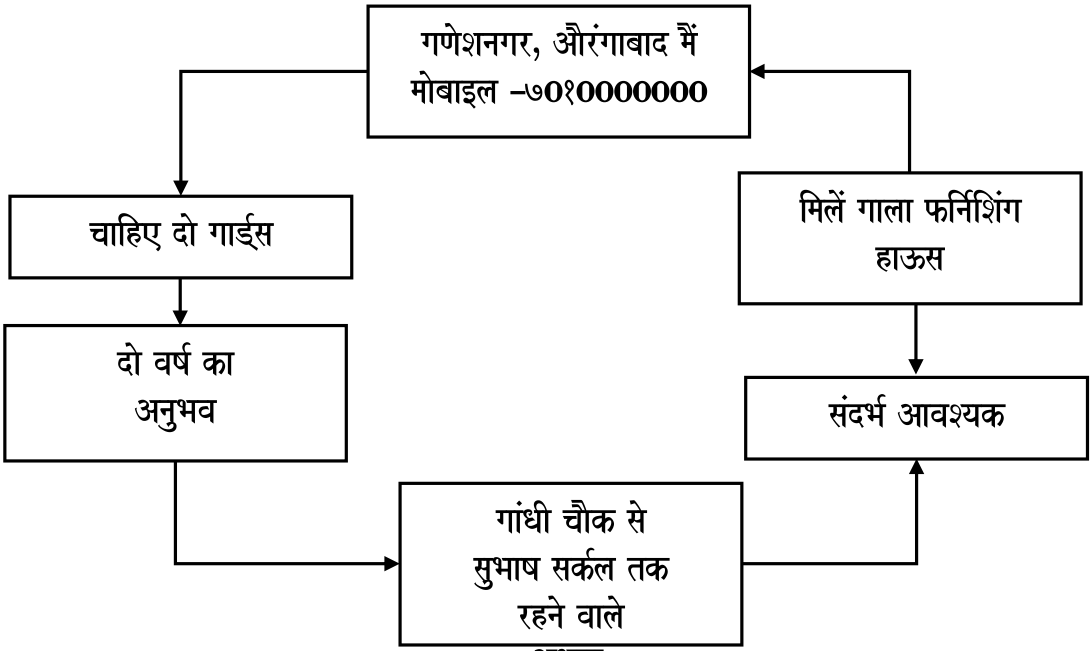

अथवा

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में एक - एक वाक्य में हों |

स्वामी रामतीर्थ एक बार जापान गए | वे रेल में यात्रा कर रहे थे | एक दिन ऐसा हुआ कि उन्हें खाने को फल न मिले और पन दिनों फल ही उनका भोजन था | गाड़ी एक स्टेशन पर ठहरी तो वहाँ भी उन्होंने फलों की खोज की, पर वे न पा सके | उनके मुँह से निकला - ' जापान में शायद अच्छे फल नहीं मिलते |" एक जापानी युवक प्लेटफार्म पर खड़ा था | वह अपनी पत्नी की ट्रेन में बैठाने आया था | उसने ये शब्द सुन लिए | वह अपनी बात बीच ही में छोड़कर भागा और कहीं दूर से एक टोकरी ताजे फल लाया | वे फल उसने स्वामी रामतीर्थ को भेंट करते हुए कहा - " लीजिए, आपको ताजे फलों की जरूरत थी |" स्वामी जी ने उसे फल - विक्रेता समझा और उससें फलों के दाम पूछे | युवक ने दाम लेने से इनकार कर दिया | बहुत आग्रह करने पर उसने कहा -"आप इनका मुल्य देना ही चाहते हैं, तो वह यह हे कि आप अपने देश में जाकर किसी से यह न कहिएगा कि जापान में अच्छे नहीं मिलते |"

प्र.४.इ) किसी एक विषय पर लगभग ७० से ८० शब्दों में निबंध लिखिए ः ४

१. एक पुराने मकान की आत्मकथा |

२. विज्ञापन से हानि - लाभ |

*** ***